Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding alleged collection of taxes from Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana accounts.

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर) : धन्यवाद सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से देश में प्रधान मंत्री जन-धन योजना के अंतर्गत जिन ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के गरीब लोगों के खाते खोले गए और बढ़-चढ़कर इस योजना का प्रचार-प्रसार भी किया गया, उस ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । उनके साथ एसबीआई सहित अन्य बैंकों द्वारा किए गए व किए जा रहे अन्याय के संबंध में मैं प्रधान मंत्री जी और वित्त मंत्री जी का भी ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा । एक तरफ सरकार ने देश के आम आदमी को बैंकिंग से जोड़ने के लिए जिस इरादे के साथ प्रधान मंत्री जन-धन योजना के खाते खोलवाए, वहीं दूसरी तरफ आईआईटी, मुम्बई की ट्रांजैक्शन रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2017 से वर्ष 2019 तक महीने में चार से अधिक डिजिटल लेन-देन पर हर बार SBI 17.70 रुपये शुल्क वसूला जाता रहा और उस दौरान उक्त बैंक ने 12 करोड़ जन-धन खाता धारकों के 164 करोड़ रुपये इन गरीब लोगों के खातों से वसूल कर लिए, जो नियम विरुद्ध थे । यह जन-धन खातों से जुड़ी शर्त का भी उल्लंघन था । यही नहीं भारतीय रिजर्व बैंक ने उन मानकों को भी तोड़ा, जिसमें खाते के साथ नई सेवाएं जोड़ने के लिए वसूले जाने वाले शुल्क को रिजनेबल यानी न्यायसंगत रखने की बात कही गई थी । यह इस बात को जाहिर करता है कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने गरीब लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़े रखने के लिए लाभार्थियों के साथ भेदभाव किया ।

महोदय, मेरा सरकार से यह आग्रह है कि वह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित तमाम बैंकों की स्टेटस रिपोर्ट मंगवाएं । उन्होंने इस प्रकार की जितनी राशि नियम विरुद्ध वसूल की है, उसे ब्याज सहित जल्द से जल्द लोगों के खातों में लौटाया जाए । अगर इस प्रक्रिया को लंबित कर दिया गया, तो यह माननीय प्रधानमंत्री जी की योजनाओं और उनके विज़न पर चोट साबित होगी । ऐसा कृत्य

क्यों हुआ है, उसकी जिम्मेदारी तय की जाए और संबंधित खाताधारकों को सूचित किया जाए ।...(व्यवधान) जिनके खातों से गलत तरीके से पैसे काट लिए गए हैं, उनको पैसे वापस लौटाए जाएं, तभी योजना की सार्थकता सही साबित होगी...(व्यवधान) मतलब यह माननीय प्रधानमंत्री जी के विज़न को चुनौती दे रही है ।...(व्यवधान)

माननीय सभापति : बेनीवाल जी, आप भाषण मत दीजिए ।